ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

हिंदी विश्वविद्यालय ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि

वर्धा, 30 दिसंबर 2024 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में भारत पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को सोमवार, 30 दिसंबर को कुलपति प्रो. कृष्ण कुमार सिंह की अध्यक्षता में प्रशासनिक भवन में श्रद्धांजलि दी गयी। डॉ. मनमोहन सिंह का 92 वर्ष की आयु में 26 दिसंबर 2024 को दिल्ली के एम्स अस्पताल में देहावसान हुआ। उनका जन्म 26 सितम्बर 1932 को पश्चिमी पंजाब के गाह (अब पाकिस्तान) में हुआ था। डॉ. मनमोहन सिंह वर्ष 2004 से 2014 तक दो बार देश के प्रधानमंत्री रहे। भारत के बड़े अर्थशास्त्रियों में उनकी गिनती होती थी। उन्होंने चंडीगढ़ में पंजाब

विश्वविद्यालय और ग्रेट ब्रिटेन में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में शिक्षा प्राप्त की थी। उन्होंने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की थी। वे 1971 में वाणिज्य मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार बने। उन्होंने 1972 में वित्त मंत्रालय के मुख्य आर्थिक सलाहकार का दायित्व संभाला। वे सन 1982 से 1985 तक रिजर्व बैंक के गवर्नर और सन 1985 से 1987 तक योजना आयोग के प्रमुख रहे। पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव ने 1991 में डॉ. मनमोहन सिंह को वित्त मंत्री बनाया। इस दौरान उन्होंने आर्थिक सुधारों से देश को आर्थिक मंदी से बाहर निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। जून 1991 में वैश्वीकरण और उदारीकरण, जून 2005 में सूचना का अधिकार, सितंबर 2005 में रोजगार गारंटी योजना, जनवरी 2009 में पहचान के लिए आधार कार्ड एवं मार्च 2006 में अमेरिका से न्यूक्लियर डील को लेकर उनकी ऐतिहासिक उपलब्धियां रही।

शोक सभा में डॉ. मनमोहन सिंह के फोटो पर पुष्प अर्पण कर श्रद्धांजलि दी गयी। शोक प्रस्ताव का वाचन एवं दो मिनट का मौन धारण करते हुए उपस्थितों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, शोधार्थी एवं विद्यार्थियों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: buddhadassmirge@hindivishwa.ac.in **वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org**

दूरभाष :+91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

हिंदी विश्वविद्यालयाने माजी पंतप्रधान डॉ. मनमोहन सिंह यांनावाहिली श्रद्धांजली

वर्धा, 30 डिसेंबर 2024: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात भारताचे माजी पंतप्रधान डॉ. मनमोहन सिंह यांना सोमवारी, 30 डिसेंबर रोजी कुलगुरू प्रो. कृष्ण कुमार सिंह यांच्या अध्यक्षतेखाली प्रशासकीय भवनात श्रद्धांजली अर्पित करण्यात आली. डॉ. मनमोहन सिंह यांचे वयाच्या ९२ व्या वर्षी २६ डिसेंबर २०२४ रोजी दिल्लीतील एम्स रुग्णालयात निधन झाले. त्यांचा जन्म 26 सप्टेंबर 1932 रोजी पश्चिम पंजाबच्या गाह (आता पाकिस्तानमध्ये) येथे झाला. डॉ. मनमोहन सिंह 2004 ते 2014 पर्यंत दोनदा देशाचे पंतप्रधान होते. भारतातील महान अर्थशास्त्रज्ञांमध्ये त्यांची गणना होते. त्यांनी चंदीगड येथील पंजाब विश्वविद्यालयात आणि ग्रेट ब्रिटनमधील केंब्रिज विश्वविद्यालयात शिक्षण प्राप्त केले. त्यांनी ऑक्सफर्ड विश्वविद्यालयातून अर्थशास्त्रात डॉक्टरेट पदवी प्राप्त केली. ते 1971 मध्ये वाणिज्य मंत्रालयात आर्थिक सल्लागार बनले. त्यांनी 1972 मध्ये अर्थ मंत्रालयाच्या मुख्य आर्थिक सल्लागाराची जबाबदारी स्वीकारली. ते 1982 ते 1985 पर्यंत रिझर्व्ह बँकेचे गव्हर्नर आणि सन 1985 ते 1987 पर्यंत नियोजन आयोगाचे प्रमुख होते. माजी पंतप्रधान पी व्ही. नरसिंह राव यांनी 1991 मध्ये डॉ. मनमोहन सिंह यांना अर्थमंत्री केले. या काळात त्यांनी आर्थिक सुधारणांच्या माध्यमातून देशाला आर्थिक मंदीतून बाहेर काढण्यात महत्त्वाची भूमिका बजावली. जून 1991 मध्ये जागतिकीकरण आणि उदारीकरण, जून 2005 मध्ये माहितीचा अधिकार, सप्टेंबर 2005 मध्ये रोजगार हमी योजना, जानेवारी 2009 मध्ये ओळखीसाठी आधार कार्ड आणि मार्च 2006 मध्ये अमेरिकेसोबत अणू करार ही त्यांची ऐतिहासिक कामगिरी होती.

शोकसभेत डॉ. मनमोहन सिंह यांच्या फोटोला पुष्प अर्पण करून श्रद्धांजली वाहण्यात आली. यावेळी शोक प्रस्तावाचे वाचन करून व दोन मिनिटे मौन पाळून त्यांना श्रद्धांजली वाहिली. विश्वविद्यालयाचे अधिष्ठाता, विभागप्रमुख, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, शोधार्थी व विद्यार्थ्यांनी ही त्यांना श्रद्धांजली वाहिली.